पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

"उत्तर प्रदेश पास्ट प्रजेन्ट एण्ड फ्यूचर" पुस्तक का मा0 राज्यपाल द्वारा विमोचन ।

पुस्तक की पाठ्य सामग्री प्रदेश विषयक जानकारी उपलब्ध कराने में कारगर होगी।

उत्तर प्रदेश विविधता में अनेक उपलब्धियों एवं विरासत से पूरिपूर्ण हैंः

राम नाईक, मा0 राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

नई दिल्लीः 05 अक्टूबर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज नई दिल्ली स्थित इण्डिया इण्टर नेशनल सेन्टर में विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर कन्फेडरेशन आफ इण्डियन यूनिर्सिटीज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ''उत्तर प्रदेश पास्ट प्रेरजेन्ट एण्ड फ्यूचर'' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर श्री नाईक ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ी आबादी वाला प्रदेश है। यह मर्यादा पुरूषोत्तम श्री रामचन्द्र व भगवान श्री कृष्ण की जन्म स्थली है। दुनिया को शान्ति का संदेश देने वाले महात्मा बुद्ध की यह कर्म स्थली है। यहां पर मानव को मोक्ष प्रदान करने वाली गंगा बहती है। दुनिया को आकर्षित करने वाला ताजमहल उत्तर प्रदेश में है। इतना ही नहीं, प्रदेश भौगालिक, पर्यावर्णिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को भी व्यापक स्तर पर चिर स्मरणीय बनाये है। शैक्षणिक दृष्टि से भी उत्तर प्रदेश समृद्ध है। उत्तर प्रदेश में 24 राज्य विष्वविद्यालय, 4 केन्द्रीय विष्वविद्यालय, 14 प्राइवेट विष्वविद्यालय तथा 10 डीम्ड विश्वविद्यालय हैं। उत्तम प्रकार का इत्र उत्तर प्रदेश के कन्नौज में बनता है। चिकन के कपड़ों के लिए प्रदेश की राजधानी लखनऊ देशभर में मशहूर है। मुरादाबाद जहां बर्तनों के लिए वहीं भदौही का कालीन दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

राज्यपाल श्री नाईक ने उत्तर प्रदेश की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि राजनैतिक दृष्टि से देखा जाय तो उत्तर प्रदेश ने सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री देश को दिए हैं। वर्तमान में प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश से ही चुनकर आए हैं। उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा सीटें तथा 35 राज्यसभा सीटें हैं। प्रदेश की समस्याओं का उल्लेख करते हुए श्री नाईक ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह उत्तर प्रदेश में भी मूल भूत एवं बिजली जैसी समस्याएं हैं। चूंकि उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से बड़ा है तो यहां उसी अनुपात में समस्याएं भी ज्यादा हैं। उन्होंने विकास को गति देने के लिए परियोजनाओं को समय पर पूरा करने की जरूरत बताते हुए कहा कि यदि परियोजनाएं समय से पूरी होंगी तो उनकी लागत नहीं बढ़ पायेगी। समय पर परियोजनाओं का कार्य पूरा न होने पर लागत बढ़ती है जिससे विकास की गति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। माननीय राज्यपाल द्वारा प्रदेश में विकास की योजनाओं, कल्याणकारी कार्यक्रमों में सर्व समाज की भागीदारी तथा सरकार को निर्धारित समयावधि, मानकों के अनुपालन पर भी ध्यान केन्द्रित करने का उल्लेख किया। राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के वर्तमान, भूत एवं भविष्य पर लिखी गई यह पुस्तक उत्तर प्रदेश की उपयोगी जानकारियों को अपने में समेटे हुए है तथा प्रदेश के बारे में जानकारी के इच्छुक लोगों के लिए यह अत्यन्त उपयोगी साबित होगी।

इस अवसर पर केरल के राज्यपाल श्री पी0सदाशिवम ने केरल, पास्ट प्रेरजेन्ट एण्ड फ्यूचर नामक दूसरी पुस्तक का भी विमोचन करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कन्फेडरेशन आफ इण्डियन यूनिर्सिटीज के प्रेसीडेन्ट डा0 पी0आर0त्रिवेदी ने आगन्तुकों का स्वागत किया व परिचय कराया। उन्होंने अपनी

लिखित पुस्तकों के अध्याय/पाठ्य सामग्री, संकलन एवं दोनों राज्यों की परिस्थितियों तथा उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर कई देशों के राजदूत, गणमान्य व्यक्ति, लेखक एवं साहित्यकार भी मौजूद थे।

अंजुम/रा0/राजभवन

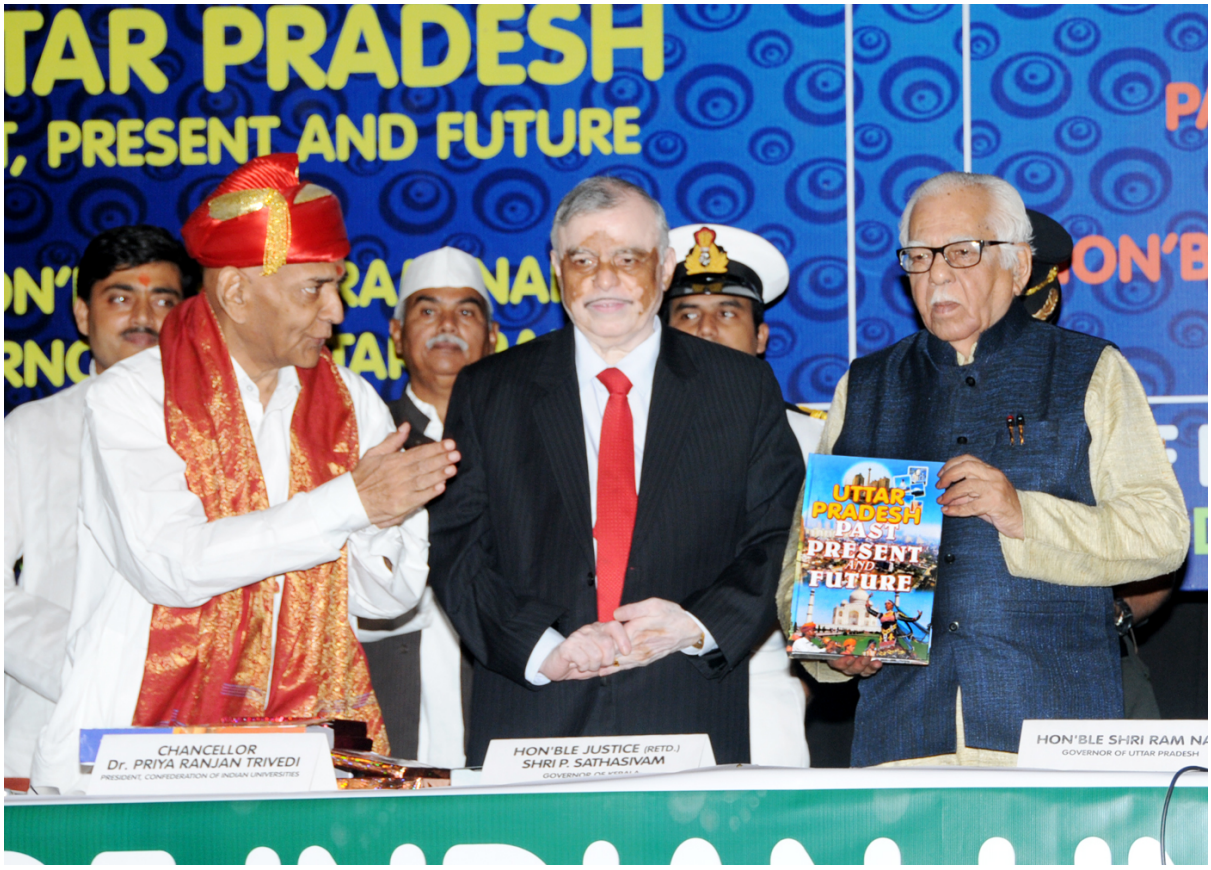
TAR PRADESH
T, PRESENT AND FUTURE
UTTAR PRADESH
PAST
PRESENT
AND
FUTURE
CHANCELLOR
Dr. PRIYA RANJAN TRIVEDI
PRESIDENT, CONFEDERATION OF INDIAN UNIVERSITIES
HON'BLE JUSTICE (RETD.)
SHRI P. SATHASIVAM
HON'BLE SHRI RAM NA
GOVERNOR OF UTTAR PRADESH

INDIAN UNIVERSITIES
ANNUAL DAY CELEBRATIONS : 5TH OCTOBER 2014 : WORLD TEACHER'S DAY
RELEASE OF THE BOOK
UTTAR PRADESH
PAST, PRESENT AND FUTURE
BY
HON'BLE SHRI RAM NAIK
GOVERNOR OF UTTAR PRADESH
RELEASE OF THE BOOK
KERALA
PAST, PRESENT AND FUTURE
BY
HON'BLE JUSTICE (RETD.) P. SATHASIVAM
GOVERNOR OF KERALA
NATIONAL ASSOCIATION OF
UNITED NATION
CONFEDER